a2zpapers.com

Exam. Code : 216304
Subject Code : 5847

M.A. Hindi 4th Semester
MADHYAKALIN HINDI KAVYA
Paper—XVI

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र **दो** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार ही उत्तर दें।

भाग—क

यह भाग **दो** उपभागों में विभक्त है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

उपभाग—I

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **चार** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 4×6=24

(i) लोकहुँ बेद सुसाहिब रीती। बिनय सुनत पहिचानत प्रीती।।
गनी गरीब ग्राम नर नागर। पंडित मूढ़ मलीन उजागर।।

(ii) राम रज बैठें त्रैलोका। हरषित भए गए सब सोका।।
बयरु न कर काहू सन कोई। राम प्रताप बिषमता खोई।।

(iii) अब मैं शरण तिहारी जी मोहि राखो कृपानिधान।
अजामील अपराधी तारे, तारे नीच सदान।
जल डूबत गजराज उबारे, गणिका चढ़ी विमान।
और अधम तारे बहुतेरे, भाखत सन्त सुजान।

(iv) मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा न कोई
जाके शिर मोर मुकुट मेरे पति वोई।
शंख चक्र गदा पद्म कंठ माला सोई।।
आई मैं भक्त जान जगत देख मोई।

a2zpapers.com
www.a2zpapers.com
We provide GNDU question papers, PTU question papers, PU question papers,

a2zpapers.com

(v) कहट, नटत, रीझत खिझत, मिलत, खिलत लजियात।
भरे भौन महँ करत हैं, नैननु ही सब बात ।।

(vi) लाल; तुम्हारे रूप की, कहे, रीति यह कौन।
जासौं लागत पलकु दृग लागत पलक पलौ न।।

उपभाग—II

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिए :— 4×6=24

(i) कवितावली का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

(ii) हिन्दी राम काव्यधारा में तुलसी का स्थान निर्धारित करें।

(iii) बिहारी सतसई के काव्य शिल्प को स्पष्ट करें।

(iv) मीराबाई की वाणी का काव्य सौष्ठव बताएं।

(v) गुरु गोबिन्द सिंह के जीवन पर चर्चा करें।

(vi) भूषण का कृतित्व स्पष्ट करें।

भाग—ख

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए :— 2×16=32

(i) तुलसी की दार्शनिकता पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

(ii) मीराबाई कें काव्य में भक्ति का स्वरूप स्पष्ट करें।

(iii) बिहारी सतसई के मूल प्रतिपाद्य पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

a2zpapers.com
www.a2zpapers.com
We provide GNDU question papers, PTU question papers, PU question papers,